

Part-1

मेसोपोटामिया सभ्यता

मेसोपोटामिया एक प्राचीन क्षेत्र था जो टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के बीच उपजाऊ क्रीसेंट के पूर्वी भाग में स्थित था। शब्द "मेसोपोटामिया" ग्रीक शब्द "मेसोस" से बना है, जिसका अर्थ है "बीच" और "पोटामोस", जिसका अर्थ है "नदी"। इसे अक्सर "नदियों के बीच की भूमि" कहा जाता है।

मेसोपोटामिया सभ्यता इस क्षेत्र में हुए सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक विकास को संदर्भित करती है, जिसमें आधुनिक इराक, दक्षिणपूर्वी तुर्की और ईरान और सीरिया के कुछ हिस्से शामिल हैं। मानव इतिहास में अपने महत्वपूर्ण योगदान के कारण मेसोपोटामिया को अक्सर सभ्यता के उद्गम स्थलों में से एक माना जाता है। मेसोपोटामिया सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं:

शहरीकरण: मेसोपोटामिया में दुनिया के कुछ शुरुआती शहरों का उदय हुआ, जिनमें उरुक, उर और बेबीलोन शामिल हैं। ये शहर प्रशासन, व्यापार और संस्कृति के केंद्र थे।

कृषि: मेसोपोटामिया की उपजाऊ भूमि कृषि के लिए उपयुक्त थी। इस क्षेत्र के सबसे शुरुआती ज्ञात समाजों में से एक, सुमेरियों ने गेहूं और जौ जैसी फसलों की खेती के लिए उन्नत सिंचाई तकनीक विकसित की।

लेखन: मेसोपोटामिया को सबसे प्रारंभिक लेखन प्रणालियों में से एक के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है, जिसे क्यूनिफॉर्म के नाम से जाना जाता है। क्यूनिफॉर्म का उपयोग रिकॉर्ड-कीपिंग, साहित्य और प्रशासनिक दस्तावेजों सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

कानूनी प्रणालियाँ: मेसोपोटामिया के लोगों ने कुछ सबसे पहले ज्ञात कानूनी

संहिताएँ स्थापित कीं, जैसे उर-नम्मू की संहिता और प्रसिद्ध हम्मुराबी की संहिता। इन संहिताओं ने समाज को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और विनियमों का एक सेट प्रदान किया।

वास्तुकला और इंजीनियरिंग: मेसोपोटामिया के लोगों ने ज़िगगुराट्स (मंदिर-पिरामिड) और शहर की दीवारों सहित प्रभावशाली वास्तुशिल्प संरचनाओं का निर्माण किया। उन्होंने निर्माण और सिंचाई के लिए इंजीनियरिंग तकनीक भी विकसित की।

धर्म और पौराणिक कथाएँ: मेसोपोटामिया के लोगों के पास देवी-देवताओं का एक समृद्ध समूह था, और उनकी पौराणिक कथाओं में "गिलगमेश का महाकाव्य" जैसी महाकाव्य कहानियाँ शामिल थीं।

व्यापार: एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच मेसोपोटामिया का केंद्रीय स्थान इसे व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र बनाता है। इसने प्राचीन व्यापार नेटवर्क के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गणित और विज्ञान: मेसोपोटामिया के लोगों ने गणित में योगदान दिया, जिसमें बेस-60 नंबरिंग प्रणाली का विकास भी शामिल है। वे प्रारंभिक वैज्ञानिक अवलोकनों और मापों में भी लगे रहे।

साम्राज्य: समय के साथ, मेसोपोटामिया में अक्कादियन, बेबीलोनियन, असीरियन और फ़ारसी साम्राज्य सहित विभिन्न साम्राज्य उठे और गिरे, प्रत्येक ने क्षेत्र के इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी।

मेसोपोटामिया की सभ्यता कई सहस्राब्दियों तक फैली और कई सांस्कृतिक बदलावों और राजनीतिक परिवर्तनों का अनुभव किया। इसकी विरासत कानून और शासन से लेकर साहित्य और धर्म तक आधुनिक समाज के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करती रही है।